एक हजार करोड़ निवेश करेगा मिंडा समूह

नई दिल्ली, एजेंसी : वाहन कलपुर्जा निर्माता अशोक मिंडा समूह चालू वित्त वर्ष के दौरान अपनी क्षमता विस्तार पर एक हजार करोड़ रुपये निवेश करेगा। समूह की अगले दो साल में आईपीओ लाने की भी योजना है। समूह के अध्यक्ष अशोक मिंडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि हमने जर्मन कंपनी एक्सिस का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। समूह ने एक्सिस की सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है।

हालांकि उन्होंने इस सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया। इसका नाम बदलकर अब मिंडा शैक प्लास्टिक सॉल्यूशंस कर दिया गया है। मिंडा समूह ने जर्मनी में यह चौथी कंपनी खरीदी है। इसी के साथ समूह द्वारा यूरोप में खरीदी गई कंपनियों की संख्या भी छह हो गई है। वाहन कलपुर्जे बनाने वाली एक्सिस को मोल्डिंग में

समूह ने जर्मन कंपनी एक्सिस का सौ फीसदी अधिग्रहण किया पूरा

महारथ हासिल है। यह कंपनी फिलहाल डेमलर, फॉक्सवैगन समूह, रेनॉ, पीएसए और जीएम जैसी दिग्गज वाहन निर्माता कंपनियों को कलपुर्जों की आपूर्ति करती है। बकौल मिंडा यह अधिग्रहण ग्लोबल ऑटो उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

एक्सिस की तकनीकी काबिलियत और मिंडा की प्रबंधन दक्षता के चलते इस सौदे से यूरोप समेत दुनिया भर के ग्राहक लाभान्वित होंगे। मिंडा के मुताबिक इससे यूरोपीय बाजारों में भी हमारी स्थिति मजबूत होगी। एक्सिस के संयंत्र में 200 लोग काम करते हैं। कंपनी का सालाना कारोबार 13.5 करोड़ यूरो यानी करीब 823.5 करोड़ रुपये का है। अशोक मिंडा समूह ने वर्ष 2010-11 में 2500 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य रखा है। समूह की वर्ष 2013-14 के अंत तक करीब 6,000 करोड़ रुपये का राजस्व कमाने की योजना है। मिंडा के मुताबिक इसके लिए हम अपनी मौजूदा क्षमता का विस्तार करेंगे। साथ ही और कंपनियों के अधिग्रहण की भी संभावनाएं तलाशेंगे। कंपनी के देश-विदेश में 25 संयंत्र हैं, जिनमें दोपहिया और कारों के लिए सुरक्षा उपकरणों का निर्माण किया जाता है। आईपीओ के बारे में मिंडा ने कहा कि इसकी प्रक्रिया चल रही है और अगले 18 महीने में इसे उतारा जा सकता है। कंपनी पीई के जरिए भी पूंजी जुटाने की तैयारी में है। समूह की आगामी योजनाओं के बारे में मिंडा ने कहा कि हमने संयुक्त उद्यम और अधिग्रहण दोनों के विकल्प खुले रखे हैं।